दिनांक 27 फरवरी, 2018 का Conference on LPG: A Catalyst of Social Change के अवसर पर माननीया राज्यपाल का अभिभाषण

सर्वप्रथम मैं आयोजकों को झारखण्ड में LPG जैसे महत्वपूर्ण विषय पर सम्मेलन का आयोजन करने हेतु बधाई देती हूँ। मुझे आज LPG: A Catalyst of Social Change के सम्मेलन में आप सभी के मध्य सम्मिलित होकर अपार प्रसन्नता हो रही है। मुझे आप सबको यह बताते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि वर्ष 2016 में भुवनेश्वर में आयोजित इसके प्रथम संस्करण का उद्घाटन करने का मुझे सुअवसर मिला था। LPG एक बहुत अच्छा और स्वच्छ ईंधन है, यह न केवल domestic ईंधन के लिए अच्छा है, बल्कि यह व्यवसायिक और औद्योगिक उपयोग के लिए भी एक बेहतर ईंधन है।

यह भी सत्य है कि भारत में कम आय वाले परिवार अपने घर के लोगों का भोजन तैयार करने के लिए खुली आग रसोई पर अधिकतर निर्भर करते हैं, जिसमें अधिकतम मात्रा लकड़ी, चारकोल, किरोसिन, इत्यादि को ईंधन की रूप में उपयोग किया जाता है। ये सब ईंधन महिलाओं के लिए बहुत प्रदूषणकारी और अनुपयोगी है जो अपने प्रियजनों के लिए भोजन तैयार करने के लिए रसोईघर में लंबे समय तक बिताते हैं। धुआं का निरंतर संपर्क रहने के कारण बहुत–सी बीमारी का कारण भी बन जाता है। विश्व बैंक ने

एक आकलन के अनुसार, वायु प्रदूषण के कारण भारत में लाखों मौतें खाना पकाने के समय धुँआ के कारण होना बताया है। LPG जैसे स्वच्छ ईंधन का उपयोग कर इतने मोतों को बचाया जा सकता है।

1955 से जब LPG शुरू हुई, तब से लेकर 2014 तक इसकी वृद्धि बहुत ही धीमा रहा है। हालांकि, 1955 से 2014 तक LPG केवल संभवत: 140 मिलियन परिवारों तक पहुंचने में सफल रहे। यह गरीब परिवारों की पहुँच से दूर माना जाता था। हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर वर्तमान में देश के सभी घरों में LPG प्रदान करने की चुनौती को उठाया गया है।

LPG को देश के हर घर में पहुंचाने के लिए, प्रधानमंत्री द्वारा ''उज्ज्वला योजना'' शुरू किया गया है। इस योजना के प्रारंभ होने के बाद अभी तक कई गरीब परिवरों को लाभ प्रदान किया गया है। इस क्षेत्र में हमें एक बड़ी सफलता हासिल हुई है। भारत जैसे एक बड़ी आबादी वाले देश में इतने कम समय में इतने अधिक लोगों तक LPG पहुँचाने का पेट्रोलियम मंत्रालय का प्रयास सराहनीय है। इस कार्य के लिए श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी भी अत्यन्त बधाई के पात्र है।

अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि उज्ज्वला योजना से पूरे देश की लाखों महिलाओं के जीवन में बदलाव आ रहा है। यह परिवर्त्तन प्रत्येक महिला में अलग-अलग रूप में नजर आ रहा है। कुछ लोगों को चिलचिलाती धूप में जलावन इकट्ठा करने के लिए अब बाहर नहीं जाना पड़ता है तो कुछ को इससे अपनें बच्चों के साथ अधिक समय बिताने का अवसर मिल पाता है।

मुझे बताया गया है कि पिछले दो दिनो में यहाँ इस कर्यक्रम से जुडे Professionals, हितधारक, उपभोक्ता सब एक ही मंच पर आकर इस दिशा में आगे बढ़कर विचार-विमर्श किया है। अयोजकों का यह प्रयास सराहनीय है और मझे आशा है कि इस प्रयास उज्ज्वाला योजना को और प्रभावी ढंग से कार्यान्वयन की जायेगी। अब सरकार के लक्ष्य 8 करोड परिवारों को LPG पहुँचाना है। मुझे आशा है कि पेट्रोलियम् मंत्रालय को इस लक्ष्य को प्राप्त करने मेँ कोइ परेशानी नहीं होगी। पूर्ण विश्वास है कि सभी अपने-अपने योगदान एवं प्रयास से प्रधानमंत्री जी के सपने को शीघ्र ही साकार करेंगे।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!